सांध्य दैनिक
4PM

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 7 ● अंक: 311 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 18 दिसम्बर, 2021

मूल्य ₹ 3/-

असफलता को सफलता में बदलो। निराशा और असफलता सफलता के रास्ते में आने वाले दो निश्चित पद चिन्ह हैं।

-डेल कार्नेगी

जिद...सच की

भाजपा हटाओ, महंगाई भगाओ.. 8
मिशन यूपी: रथ यात्रा से हिंदुत्व... 3
यूपी में ओमिक्रॉन की दस्तक... 7

आयकर छापे पर सियासी उबाल, अखिलेश बोले

हार के डर से चुनाव मैदान में भाजपा ने उतार दिया सरकारी एजेंसी को

- सपा प्रमुख ने भाजपा पर साधा निशाना, कहा, अभी ईडी और सीबीआई भी आएगी
- सपा नेताओं के यहां छापेमारी की टाइमिंग पर उठाया सवाल, पूछा, चुनाव के ठीक पहले छापेमारी क्यों
- कांग्रेस समेत विपक्षी दलों ने भी बोला हमला, सरकार पर लगाया जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में चुनाव से पहले सपा नेताओं के यहां आयकर विभाग की छापेमारी को लेकर सियासी पारा चढ़ गया है। विपक्ष ने इस कार्रवाई की टाइमिंग पर सवाल उठाते हुए इसे तानाशाही करार दिया है। वहीं सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि यूपी में हार के डर से भाजपा सपा नेताओं के खिलाफ सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है। अभी तो आयकर विभाग ही चुनाव मैदान में उतरा है। ईडी और सीबीआई भी आएगी।

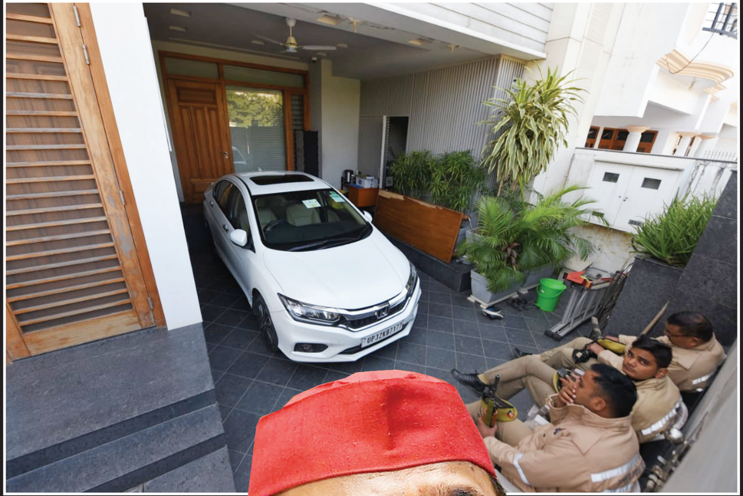

जनता तैयार, बदल जाएगी सरकार

अखिलेश यादव ने कहा कि अगले चुनाव के लिए जनता, नौजवान और बेरोजगार तैयार है। यह सरकार बदल जाएगी। महाराष्ट्र और बंगाल की तरह अब उत्तर प्रदेश में भी केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है।

प्रदेश के मऊ, मैनपुरी, आगरा व लखनऊ में समाजवादी पार्टी के नेताओं के आवास तथा प्रतिष्ठानों पर आयकर विभाग की कार्रवाई को लेकर अखिलेश यादव ने भाजपा पर जमकर हमला किया है। उन्होंने कहा कि उन्हें पहले से पता था कि विधान सभा चुनाव से पहले केंद्रीय जांच एजेंसियों को यहां भेजा जाएगा। आयकर के बाद सीबीआई और ईडी की बारी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस भी ऐसे ही आयकर, ईडी और सीबीआई से अपने विरोधियों को डराती थी और अब यही काम भाजपा कर रही है। राजीव राय हमारी पार्टी के प्रवक्ता हैं। आज उनके घर तथा प्रतिष्ठान पर कार्रवाई की गई है। आयकर विभाग ने चुनाव से ठीक पहले उनके यहां छापा मारा अगर यही करना था तो यह काम पहले भी किया जा सकता था। भाजपा भी कांग्रेस की राह पर दमन की नीति अपना रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बुलडोजर राज है। यह सरकार आम जनता को अपमानित करने का काम करती है। प्रदेश की योगी तथा केन्द्र की मोदी सरकार भेदभाव के आधार पर काम कर रही है। किसानों को जीप से कुचला गया। इसके बाद भी भाजपा ने अभी तक मंत्री और दोषियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। चुनाव में इसका जवाब प्रदेश की जनता देगी।

“ सीबीआई, ईडी और आईटी के छापों की टाइमिंग भाजपा शासन में सबसे ज्यादा पारदर्शी हो गयी है। चुनाव के समय इनमें तेजी आती है। भाजपा की जमीन खिसक गई है। विपक्ष को कमजोर करने में वह इन संस्थाओं की मदद ले रही है।

वैभव माहेश्वरी, प्रवक्ता, आप

“ भाजपा ने विकास का कोई काम नहीं किया है। अब उसे हार का डर सताने लगा है। लिहाजा वह विरोधियों को डराने के लिए जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है।

अनिल दुबे, राष्ट्रीय सचिव, आरएलडी

“ तानाशाही सरकारें जब अपना आपा खो देती हैं तो छापा मारना शुरू कर देती हैं।

आचार्य प्रमोद कृष्णम, कांग्रेस नेता

आज छह बजे देखिये ज्वलंत विषय पर चर्चा हमारे यू ट्यूब चैनल 4PM News Network पर

यहां हुई छापेमारी

लखनऊ। सपा नेताओं तथा कारोबारियों के आवास तथा प्रतिष्ठानों पर आयकर विभाग ने आज छापेमारी की। आगरा, मैनपुरी, लखनऊ तथा मऊ में इन नेताओं तथा कारोबारियों के ठिकानों पर कई टीमें तड़के से छानबीन में लगी हैं। पार्टी के सहयोगी मनोज यादव तथा जैनेन्द्र यादव के साथ पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव व प्रवक्ता राजीव राय के ठिकानों पर छापेमारी की गयी। आगरा में मनोज यादव के साथ ही मैनपुरी व लखनऊ में जैनेन्द्र यादव के आवास तथा प्रतिष्ठान पर कई टीमें लगी हैं। इनके साथ राजीव राय के मऊ तथा लखनऊ के आवास व कार्यालय पर भी छानबीन की जा रही है। लखनऊ में आंबेडकर पार्क के पास जैनेन्द्र यादव के आवास पर पड़ताल की जा रही है।

सपा कार्यकर्ताओं ने जताया विरोध

मऊ में टीम ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव और प्रवक्ता राजीव राय के आवास पर छापेमारी की। सपा नेता को परिसर के भीतर रहने का निर्देश दिया गया है। राय परिवार के सदस्यों के साथ घर में हैं। इस दौरान समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता राष्ट्रीय सचिव के आवास के बाहर एकत्र हुए थे और छापों को लेकर विरोध जताया।

छापों से नहीं डरेगी सपा: गोप

सपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री अरविंद सिंह गोप ने आयकर छापों को लेकर भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि भाजपा को हार का डर सता रहा है। लिहाजा वह तमाम तरह के हथकंडे अपना रही है। भाजपा सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है लेकिन सपा ऐसे छापों से डरने वाली नहीं है। भाजपा की जमीन पूरी तरह खिसक चुकी है और उसके तानाशाही रवैए को जनता बर्दाश्त नहीं करने वाली है। चुनाव में जनता भाजपा को सबक सिखाएगी।

सहकारिता के क्षेत्र में होंगे बड़े बदलाव, नई नीति जल्द : शाह

» किसानों को जोड़ने के लिए कोआपरेटिव को आगे लाएंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा सहकारिता के माध्यम से देश के आर्थिक विकास का खाका खींचा जा रहा है। इस क्षेत्र में कई अहम बदलाव करने की तैयारी है। सरकार नई सहकारी नीति लाने को कृत संकल्प है। विस्तृत मसौदा कुछ ही समय में सामने रखेंगे। किसानों को जोड़ने के लिए कोआपरेटिव को आगे लाएंगे और पूरा फायदा उनके बैंक खातों में पहुंचाएंगे।

राजकीय पालीटेक्निक परिसर में सहकार भारती के सातवें राष्ट्रीय अधिवेशन में अमित शाह ने कहा कृषि व्यवस्था में प्राथमिक कृषि सहकारी समितियां (पैक्स) उसकी आत्मा हैं। कुछ ही समय में पैक्स का कंप्यूटराइजेशन कराकर उन्हें जिला सहकारी बैंकों से जोड़ेंगे। जिला सहकारी बैंकों को प्रदेश के कोआपरेटिव बैंकों से और उन्हें नाबार्ड से जोड़ा जाएगा। व्यवस्था पारदर्शी रखने के लिए कार्य संचालन स्थानीय भाषा में होगा। उन्होंने कहा कि मल्टीस्टेट (बहुराज्यीय) कोआपरेटिव सोसाइटी में भी परिवर्तन करने जा रहे हैं। इसके लिए वेबसाइट शुरू करके सभी के सुझाव लेंगे। उसके बाद विस्तृत मसौदा सामने रखेंगे। अमित शाह ने कहा समितियों के प्रशिक्षण में भी आमूलचूल परिवर्तन करेंगे। अभी तक कुछ राज्यों में समिति चलाने वाले ही प्रशिक्षण पाते रहे हैं, लेकिन अब समितियों के प्राथमिक सदस्यों को प्रशिक्षित कराएंगे।

समस्या ही न बताएं समाधान भी सुझाएं

अमित शाह ने कहा कि सहकारिता की बेहतरी के लिए कई लोग मांगे रख रहे हैं, वे सिर्फ समस्या नहीं बताएं, बल्कि समाधान भी सुझाएं। नीति का मसौदा तैयार करके सरकार को दें। उस पर राज्य सरकारों के साथ बैठक करके प्रभावी रूप से लागू कराने का प्रयास करेंगे। 27 राज्यों व 600 जिलों में कार्य कर रहे सहकार भारती संगठन को सुझाव दिया कि वे राज्यों को तीन हिस्सों समृद्ध, विकासशील व सहकारिता के क्षेत्र में पिछड़े में बांटकर कार्य करें। समितियों में प्रशिक्षण, पारदर्शी चुनाव और नियमित आडिट कराने का संस्कार डालें। जिन राज्यों व गांवों तक पहुंच नहीं है वहां संगठन की शक्ति व सुगंध को बिखेरें। आत्मनिर्भर भारत की पूर्ति का साधन सहकारिता को बनाना है।

देश के विकास का ग्रोथ इंजन बना उत्तर प्रदेश

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा प्रदेश कई आंदोलनों से जुड़ा रहा है। यहां की राजनीतिक व्यवस्था पूरी तरह से चरमराई थी, आती-जाती सरकारों ने सहकारिता आंदोलन को खत्म होने के कगार पर पहुंचा दिया। 2017 में 300 से अधिक सीटें जीतकर भाजपा की सरकार बनने से अब देश में विकास के ग्रोथ का इंजन उत्तर प्रदेश बन गया है। उन्होंने कहा कि सारे माफिया, भ्रष्टाचार यूपी की सीमाओं के बाहर हो गए हैं। सहकार भारती के राष्ट्रीय महामंत्री उदय जोशी ने कहा कि देश के स्थायी आर्थिक विकास के लिए जरूरी है कि हेल्थ कोआपरेटिव होना चाहिए। साथ ही ईज आफ डूइंग बिजनेस सहकारिता की नीति के अनुरूप होना चाहिए।

11 विभूतियों को ब्रज रत्न अवार्ड से अलंकृत करेंगी राज्यपाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» 21 दिसंबर को होगा समारोह

लखनऊ। ब्रज रत्न अवार्ड समारोह 21 दिसंबर को आगरा के कलाकृति कन्वेंशन सेंटर में होगा। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ब्रज की 11 विभूतियों को अलंकृत करेंगी। इनक्रेडिबल इंडिया फाउंडेशन की ओर से आयोजित समारोह में सम्मानित की जाने वाली विभूतियों के नामों की घोषणा की गई।

11 विभूतियों में विख्यात हास्य कवि पद्मश्री काका हाथरसी (मरणोपरांत) और हाल ही में सेवानिवृत्त हुए भारतीय वायु सेनाध्यक्ष एयर चीफ मार्शल आरकेएस भदौरिया शामिल हैं। काका हाथरसी का सम्मान उनके दामाद कवि पद्मश्री अशोक चक्रधर ग्रहण करेंगे। समारोह संयोजक बृजेश शर्मा, सह संयोजक डॉ. आरएन शर्मा ने आयोजन की तैयारियों के संबंध में बताया। साल 2016 में शुरू हुआ ब्रज रत्न अवार्ड 10 विधाओं में दिया जाता है। 52 विभूतियों को अब तक अवार्ड मिल चुका है। इनक्रेडिबल इंडिया फाउंडेशन के चेयरमैन पूरन डावर ने कहा कि अवॉर्ड के लिए 60 हस्तियों का नॉमिनेशन हुआ था। ज्यूरी सदस्यों के मत के आधार पर चयन किया गया है। ब्रज रत्न अवार्ड सलाहकार समिति के अध्यक्ष स्क्वाड्रन लीडर एके सिंह ने बताया कि ब्रज की कीर्ति पताका फहरा चुके सितारों को अवार्ड दिया जाता है। इसका उद्देश्य युवा पीढ़ी को प्रेरणा देना है।

आम आदमी पार्टी का चुनाव अभियान का शुभारंभ दो से

» अरविंद केजरीवाल रैली को करेंगे संबोधित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दिल्ली के सीएम तथा आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल 2022 में होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर अपनी पार्टी के अभियान को धार देंगे। केजरीवाल लखनऊ में दो जनवरी को रैली से पार्टी के चुनाव प्रचार अभियान को शुरू करेंगे।

आम आदमी पार्टी ने उत्तर प्रदेश की सारी 403 सीट पर प्रत्याशी उतारने की घोषणा की थी। इसके साथ पार्टी ने अयोध्या और लखनऊ में तिरंगा यात्रा भी शुरू की थी। अब पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल इस अभियान को गति देने के क्रम में दो जनवरी को लखनऊ के रमा बाई अंबेडकर मैदान में रैली को संबोधित करेंगे। इसी में केजरीवाल बेरोजगारों को हर महीने पांच हजार रुपए बेरोजगारी भत्ता देने और 10 लाख लोगों को हर साल नौकरी देने का चुनावी वादा भी करेंगे। आप ने महारैली की तैयारियां शुरू कर दी हैं। आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश के प्रभारी व राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने इस रैली में केजरीवाल बड़ी घोषणा करेंगे। पार्टी इससे पहले सभी घरेलू उपभोक्ताओं को 300 यूनिट मुफ्त बिजली देने तथा पुराने बकाया बिल को माफ करने की घोषणा कर चुकी है। आम आदमी पार्टी अब बेरोजगारों को भत्ता व नौकरी देने का यह दूसरा वादा करेगी। संजय सिंह ने दावा किया कि रोजगार कार्यालय में करीब 34 लाख बेरोजगार अपना नाम दर्ज करा चुके हैं। ऐसे में पांच हजार रुपए प्रति माह भत्ता देने पर हर महीने 1700 करोड़ रुपए और साल में 20 हजार, 400 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

18 साल ही रहनी चाहिए लड़कियों की शादी की उम्र : हसन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लड़कियों की विवाह की उम्र 21 वर्ष किए जाने के फैसले को सपा सांसद एवं पेशे से चिकित्सक डॉ. एसटी हसन ने गलत करार दिया है। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान के इंसान की औसल उम्र 60 साल है। महिलाओं की प्रजनन उम्र 17-18 से तीस साल तक की उम्र बेहतर होती है। इस उम्र के निकल जाने पर कई महिलाओं की प्रजनन क्षमता पर इसका असर पड़ता है।

उन्होंने कहा इधर मेल पार्टनर की उम्र शादी के समय लड़की की उम्र से कई बार काफी अधिक होती है। उन्होंने कहा हर मनुष्य चाहता है कि उसकी औलाद बुढ़ापे में उसका सहारा बने। यह प्राकृतिक चेन है। अगर देर से शादी होगी तो बुढ़ापे के समय उसकी औलाद पढ़ती होगी। वह अपने बुजुर्ग की देखभाल नहीं कर पाएगी। ऐसा कर हम प्राकृतिक चेन को तोड़ने का काम कर रहे हैं। जब भी नेचुरल साइकिल को हम तोड़ते हैं तो उसका नुकसान इंसान को भुगतना पड़ता है। सांसद ने तर्क दिया कि जब बालिकाएं 18 साल की उम्र में मतदान कर सकती हैं। एमपी, एमएलए चुन सकती हैं। बालिग हैं तो शादी क्यो नहीं कर सकती।

सोच बेईमान, काम दागदार बनकर रह गया भाजपा का नारा : चौधरी

» सरकार का दावा- योगी राज में 12 लाख को नौकरियां

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान मंडल के दोनों सदनों में वर्तमान वित्तीय वर्ष के लिए 8479.53 करोड़ रुपये के दूसरे अनुपूरक बजट और वित्तीय वर्ष 2022-23 के पहले चार महीनों में सरकार के जरूरी खर्चों से निपटने के लिए 1,68,903.23 करोड़ रुपये के लेखानुदान को ध्वनि मत से पारित किया गया। यूपी विधानसभा में अनुपूरक बजट का विरोध करते हुए नेता प्रतिपक्ष राम गोविंद चौधरी ने कहा कि भाजपा सरकार ने सोच ईमानदार, काम दमदार का जो नया नारा दिया है, वह सोच बेईमान, काम दागदार बनकर रह गया है। जवाब में संसदीय कार्य व वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने विपक्ष के आरोपों को नकारते हुए कहा कि सरकार की लोकप्रियता का एक ही पैमाना है- लोकदृष्टि। उस पर योगी सरकार खरी उतरी है।

उन्होंने कहा कि योगी सरकार के कार्यकाल में अब तक 12 लाख लोगों को नौकरियां मिली हैं जबकि प्रदेश में तीन लाख करोड़ रुपये का निवेश हो चुका है। इनमें से 60 हजार करोड़ रुपये के निवेश पर उत्पादन भी शुरू हो गया है। अनुपूरक बजट पर चर्चा के दौरान राम गोविंद चौधरी ने कहा कि जब सरकार मूल बजट और पहले अनुपूरक बजट में आवंटित धनराशि का कई मदों में 50 प्रतिशत भी नहीं खर्च कर पाई है तो दूसरे अनुपूरक बजट का औचित्य क्या है। यह जनता के धन का दुरुपयोग है।

शिक्षामित्रों को मिले शिक्षकों के समान वेतन

कांग्रेस विधानमंडल दल नेता आराधना मिश्रा ने कहा कि आसमान छूती महंगाई के दौर में सरकार की ओर से जरूरतमंदों की पेंशन 500 रुपये बढ़ाने का ऐलान गरीबों के साथ मजाक है। उन्होंने बेरोजगारों को बेरोजगारी भत्ता देने का मुद्दा उठाया। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के नेता ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि निराश्रित पशुओं के कारण हो रहीं सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए अनुपूरक बजट में कोई व्यवस्था नहीं है। किसानों की उपज की क्षति को रोकने का भी कोई इंतजाम नहीं है। सरकार मुफ्त राशन का ढिंढोरा पीट रही है लेकिन महंगाई पर खामोश है।

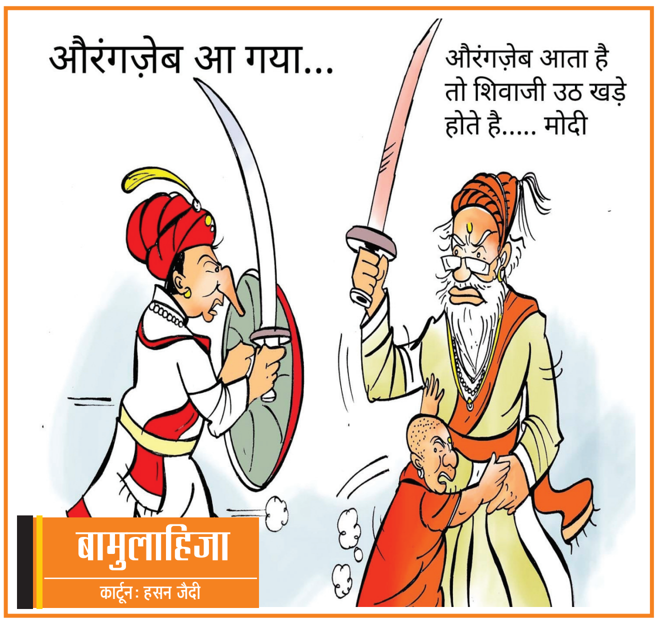
औरंगज़ेब आ गया...
औरंगज़ेब आता है तो शिवाजी उठ खड़े होते है..... मोदी
बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

चुनाव की घोषणा जनवरी के पहले हफ्ते में संभव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पांच जनवरी के बाद कभी भी उत्तर प्रदेश, पंजाब सहित पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों की घोषणा हो सकती है। चुनाव आयोग ने तैयारी तेज कर दी है। अगले हफ्ते से चुनाव आयोग का इन राज्यों में दौरा शुरू हो जाएगा। घोषणा से पहले आयोग सुरक्षा व्यवस्था सहित जरूरी तैयारियों की समीक्षा करेगा। वर्ष 2017 में भी इन राज्यों के विधानसभा चुनाव की घोषणा छह जनवरी को हुई थी। इस बार 11 या 12 जनवरी को घोषणा होने की अटकल है।

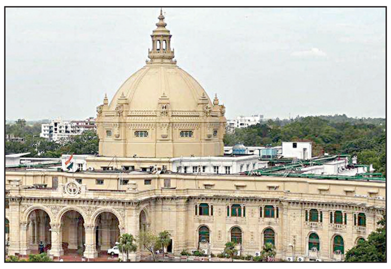

मार्च-अप्रैल में सीबीएसई सहित राज्यों के शिक्षा बोर्ड की दसवीं और बारहवीं की प्रस्तावित परीक्षाओं को देखते हुए आयोग इन चुनावों को मार्च के पहले हफ्ते में ही संपन्न कराने की तैयारी में है। वर्ष 2017 में इन राज्यों में चुनाव आठ मार्च को खत्म हो गए थे। वहीं वोटों की गिनती 11 मार्च को हुई थी। फिलहाल जो संकेत मिल रहे है, उनमें चुनाव की अवधि पिछले सालों की तुलना में छोटी रहेगी। 2017 में इन राज्यों में चुनाव आचार संहिता की अवधि कुल 64 दिनों की थी। आयोग से जुड़े सूत्रों के मुताबिक सभी पांचों चुनावी राज्यों को अंतिम वोटर लिस्ट के अंतिम प्रकाशन के निर्देश भी दिए गए है। इसके तहत पांच जनवरी तक सभी राज्यों में अंतिम वोटर लिस्ट प्रकाशित हो जाएगी।

उत्तर प्रदेश में सात चरणों में ही चुनाव कराने की तैयारी

सूत्रों के मुताबिक आयोग ने चुनाव कार्यक्रम को लेकर जो योजना बनाई है, उनमें उत्तर प्रदेश में सात चरणों में चुनाव कराए जा सकते हैं। वर्ष 2017 में भी उत्तर प्रदेश में सात चरणों में चुनाव कराए गए थे। गोवा, उत्तराखंड में एक-एक चरण में चुनाव होंगे। वहीं मणिपुर और पंजाब में दो चरणों में चुनाव कराए जा सकते हैं। 2017 में पंजाब में एक चरण में ही चुनाव हुए थे।

मिशन यूपी: रथ यात्रा से हिंदुत्व को धार देने की तैयारी में भाजपा, बनायी रणनीति

» अयोध्या, काशी के साथ मथुरा की होगी गूंज, छह अलग-अलग रूट किए तय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

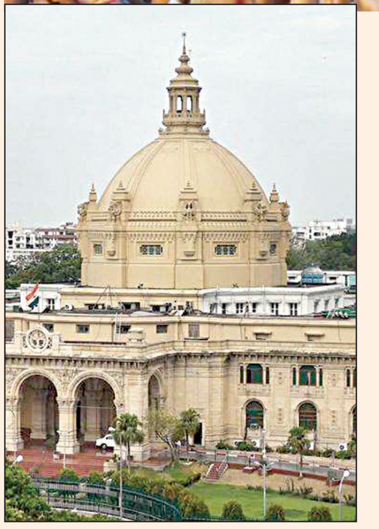

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव की आहट के साथ भाजपा अब पूरी तरह चुनावी मोड में आ चुकी है। भाजपा ने यूपी फतह का प्लान बनाया है। वह 19 दिसंबर से जन विश्वास यात्रा की शुरुआत करने जा रही है। इसके जरिए वह हर वोटर और समाज के हर तबके तक पहुंचने की कोशिश करेगी। इसके साथ इन रथ यात्राओं के जरिए भाजपा हिंदुत्व को भी धार देगी। छह अलग-अलग रूट पर भाजपा रथ यात्राएं निकलेगी जो यूपी के हर विधान सभा को कवर करेगी। रथ यात्रा में अयोध्या और काशी के बाद अब मथुरा की गूंज होगी। भाजपा ने इसके संकेत भी दे दिए हैं।

भाजपा चुनाव में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती है। यही वजह है कि 19 दिसंबर को अवध क्षेत्र की यात्रा की शुरुआत भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा अम्बेडकर नगर से करेंगे। ठीक इसी दिन यानी 19 दिसंबर को ही कानपुर क्षेत्र की यात्रा की शुरुआत रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बिठूर से करेंगे। इसके अलावा 20 दिसंबर को काशी क्षेत्र की यात्रा की शुरुआत होगी। भाजपा के मिशन 2022 प्लान के मुताबिक, अलग-अलग स्थानों पर इन रथ यात्राओं में केंद्र और प्रदेश सरकार के मंत्री भी शामिल होंगे। इस यात्रा में केंद्र की मोदी सरकार और यूपी की योगी सरकार की उपलब्धियों को जनता को बताया जाएगा। वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जिस प्रकार से काशी की भव्यता का बखान किया है, उससे साफ जाहिर होता है कि अब मथुरा की बारी है क्योंकि उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य भी मथुरा की ओर इशारा कर चुके हैं। 19 को डा. मानवेंद्र प्रताप सिंह मथुरा से रथ यात्रा के साथ चलेंगे। सीएम योगी आदित्यनाथ इसका शुभारंभ करेंगे। सीएम भगवान श्रीकृष्ण की जन्मस्थली से जरूर मथुरा के लिए कोई न कोई संदेश दे सकते हैं। एमएलसी डॉ. मानवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि 19 को भगवान श्रीकृष्ण की धरती मथुरा से रथ यात्रा का शुभारंभ होगा। भगवान श्रीकृष्ण ने जिस प्रकार से गीता का संदेश दिया था उसी प्रकार से यह यात्रा भी जन-जन में भक्ति और शक्ति का संचार करेगी। पूरे ब्रज क्षेत्र में यात्रा के माध्यम से एक नई लहर लाने का प्रयास किया जाएगा। वहीं पश्चिमी यूपी से निकाली जाने वाली यात्रा की कमान सांसद सतीश कुमार गौतम को दी गई है।

15 दिन चलेगी रथ यात्रा

अभी तक की तैयारी के मुताबिक ये रथ यात्रा 15 दिन तक चलेगी। 2017 के विधान सभा चुनाव से पहले 2016 नवंबर में अखिलेश सरकार के खिलाफ भाजपा ने चार परिवर्तन यात्रा निकाली थी, जिसकी शुरुआत गृह मंत्री और तत्कालीन बीजेपी अध्यक्ष अमित शाह ने सहारनपुर से की थी। इस बार भाजपा फिर से रथ यात्राओं के जरिए एक बार फिर जीत को दोहराना चाहती है।

35 सभाओं का होगा आयोजन

भाजपा ने 19 दिसंबर से प्रारंभ होने वाली रथ यात्रा का नाम जन विश्वास रथ यात्रा रखा है। यह यात्रा ब्रज क्षेत्र के सभी 65 विधानसभा क्षेत्रों तक जाएगी। यात्रा के दौरान 35 सभाएं होंगी जिसमें आधा दर्जन बड़ी सभाएं होंगी। इसमें भाजपा के केंद्रीय नेता होंगे। यात्रा का समापन एक जनवरी होगा। इसके बाद प्रदेश की सभी यात्राएं लखनऊ पहुंचेंगी। यहां विशाल जनसभा होगी। इसमें प्रदेश से कार्यकर्ताओं को आमंत्रित किया जा सकता है।

आरटीओ कार्यालय से मुक्ति, नए साल से घर बैठे बनवा सकेंगे लर्निंग लाइसेंस

» लखनऊ समेत प्रदेश के अन्य संभागों में भी घर बैठे लर्निंग लाइसेंस मिलने की प्रक्रिया जल्द

» परीक्षा के लिए आरटीओ कार्यालय में आने के झंझट से भी मिलेगी आजादी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

Driving Licence Uttar Pradesh
PHOTO HERE

लखनऊ। लर्निंग लाइसेंस के लिए अब आवेदकों को आरटीओ कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। बाराबंकी का ट्रायल रन पूरा होने के बाद अब राजधानी लखनऊ समेत प्रदेश के अन्य संभागों में भी घर बैठे लर्निंग लाइसेंस मिलने की प्रक्रिया जल्द शुरू होने जा रही है। खामियों को देखा जा रहा है। सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो नए साल में यह महत्वाकांक्षी व्यवस्था शुरू हो जाएगी। इससे आवेदकों को बड़ी राहत मिलेगी। तैयारियां अंतिम दौर में हैं।

खामियों की बारीक पड़ताल कर एनआईसी पोर्टल अपडेट कर रहा है। चूंकि आवेदन और फीस जमा करने की व्यवस्था पहले से ही ऑनलाइन है, ऐसे में लर्निंग लाइसेंस की परीक्षा के लिए आरटीओ कार्यालय में आने के झंझट को पूरी तरह से खत्म किया जा रहा है। आवेदक घर बैठे ही ऑनलाइन परीक्षा देकर अपना लर्निंग लाइसेंस प्राप्त कर सकेगा।

गौरतलब है कि कोरोना संक्रमण के चलते बीते दो सालों से लाइसेंस बनवाने वालों में कमी आई है। हाल यह है कि लोग कोरोना संक्रमण के चलते आरटीओ कार्यालय जाने से कतरा रहे हैं। ऐसे में विभाग को राजस्व का नुकसान हो रहा है। इसी क्रम में विभाग के उच्चाधिकारियों ने बैठक की, जिसमें यह निर्णय निकला कि राजस्व बढ़ाने के लिए ऑनलाइन लर्निंग लाइसेंस बढ़िया विकल्प रहेगा। इसी के तहत अब आरटीओ कार्यालय के चक्कर से भी लोगों को मुक्ति मिलेगी और नए साल से घर बैठे लर्निंग लाइसेंस बनवा सकेंगे।

> “एनआईसी पोर्टल का बारीकी से मुआयना कर रहा है। संभावित दिक्कतों और खामियों पर नजर रखी जा रही है। अपडेट होते ही एक बार अंतिम परीक्षण किया जाएगा। परीक्षण के बाद राजधानी लखनऊ समेत प्रांत के अन्य जिलों में लागू किया जाएगा। नए साल में आवेदक घर बैठे इस महत्वाकांक्षी योजना का लाभ उठा सकेंगे।
>
> धीरज साहू, परिवहन आयुक्त, लखनऊ

आवेदक को नहीं जाना पड़ेगा आरटीओ

आवेदक अपनी पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन पूरी करेंगे। क्लिक करते ही आवेदक का पूरा ब्यौरा सामने होगा। आवेदकों को कागजातों की जांच के लिए नहीं जाना पड़ेगा। फीस जमा करने, सिग्नेचर अपलोड किए जाने, स्लाट लेने और फीस जमा करने समेत करीब-करीब सारी प्रक्रिया ऑनलाइन की जाएगी।

तय समय में देखें ट्यूटोरियल दें ऑनलाइन परीक्षा

परिवहन विभाग के अधिकारी बताते हैं कि आवेदन प्रक्रिया पूरी होने के बाद आवेदक को ऑनलाइन परीक्षा देनी होगी। इसके लिए उसे स्क्रीन पर ट्यूटोरियल मिलेगा। तय समय के भीतर उसे देखकर हल करना होगा। परीक्षा में 16 प्रश्न होंगे। इनमें से नौ को पास करना जरूरी होगा। सही होने पर एआरटीओ उसका निर्धारित समय में अप्रूवल देंगे। जैसे ही अधिकारी की मुहर लगेगी, आवेदक अपने लर्निंग लाइसेंस का प्रिंट घर बैठे ही निकाल सकेगा। हां, ध्यान देने की बात यह होगी कि परीक्षा की निगरानी स्मार्ट इंटेलीजेंस सिस्टम के तहत होगी।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

बढ़ती बेरोजगारी का समाधान कब?

कोरोना काल में भारत की अर्थव्यवस्था ही बेपटरी नहीं हुई बल्कि बेरोजगारी का ग्राफ भी तेजी से बढ़ा है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआईई) की रिपोर्ट बेहद चिंताजनक है। इसके मुताबिक बेरोजगारी दर में तेजी से इजाफा हो रहा है। पिछले वर्ष जहां बेरोजगारी दर 6.5 फीसदी थी वह इस वर्ष नवंबर में 7 फीसदी पहुंच चुकी है। यही नहीं देश के आठ राज्यों में बेरोजगारी दर दस फीसदी से अधिक है। यह आंकड़ा राष्ट्रीय बेरोजगारी दर से अधिक है। सवाल यह है कि बेरोजगारी दर लगातार बढ़ती क्यों जा रही है? क्या सरकार के पास इसका कोई समाधान नहीं है? क्या बढ़ती बेरोजगारी देश की अर्थव्यवस्था को रसातल में नहीं पहुंचा देगी? क्या सरकार को देश की आर्थिक नीतियों को बदलने की जरूरत महसूस नहीं हो रही है? क्या इसका असर देश के सामाजिक-आर्थिक ताने-बाने पर नहीं पड़ेगा?

देश में बेरोजगारी दर चिंतित करने वाली है। भारत में गरीबों की संख्या बढ़ती जा रही है। देश में 2020 में जहां गरीबों की संख्या 5.9 करोड़ थी वह 2021 में 13.4 करोड़ हो गयी है। बेरोजगारी दर में साल-दर-साल इजाफा हो रहा है। बेरोजगारी में हरियाणा सबसे ऊपर है। यहां इसकी दर 29 फीसदी है जबकि जम्मू-कश्मीर और राजस्थान में यह बीस फीसदी है। बिहार, त्रिपुरा, हिमाचल प्रदेश, गोवा और झारखंड में यह 10 से 19 फीसदी के बीच है। हालांकि उत्तर प्रदेश में पिछले वर्ष के मुकाबले इसकी दर में गिरावट दर्ज की गयी है। पिछले वर्ष इसकी दर 5.2 फीसदी थी जो घटकर 4.8 हो चुकी है। बेरोजगारी बढ़ने का कोई एक कारण नहीं है। हकीकत यह है कि बेरोजगारी बढ़ने के सापेक्ष देश में रोजगार के साधन उत्पन्न नहीं हो रहे हैं। इसमें दो राय नहीं है कि कोरोना काल के दौरान हुए लॉकडाउन के कारण लाखों लोगों के रोजी-रोजगार छिन गये और बेरोजगारी दर में इजाफा हुआ। इस दौरान कुछ उद्योगों में रोजगार सृजित भी हुए लेकिन ये नाकाफी रहे। सूक्ष्म, लघु और मझोले आकार के अनौपचारिक क्षेत्र के उद्योगों को प्रोत्साहित करके बड़ी कामयाबी हासिल की जा सकती थी पर हालात में सुधार नहीं हुए। हालांकि उद्योगों के विकास के लिए सरकार ने पैकेज दिए लेकिन यह पर्याप्त साबित नहीं हुआ। साफ है कि देश आज बेरोजगारी विस्फोट के मुहाने पर खड़ा हो गया है और जल्द ही यदि इसका समाधान नहीं किया गया तो हालात बेकाबू हो जाएंगे। बढ़ती बेरोजगारी का सामाजिक और आर्थिक ताने-बाने पर भी असर पड़ेगा। लिहाजा सरकार को चाहिए कि वह रोजगार केंद्रित आर्थिक नीतियों को अपनाए और उसे जल्द से जल्द जमीन पर उतारने की कोशिश करे।

संजय

> **“ कोरोना काल में भारत की अर्थव्यवस्था ही बेपटरी नहीं हुई बल्कि बेरोजगारी का ग्राफ भी तेजी से बढ़ा है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआईई) की रिपोर्ट बेहद चिंताजनक है। इसके मुताबिक बेरोजगारी दर में तेजी से इजाफा हो रहा है। पिछले वर्ष जहां बेरोजगारी दर 6.5 फीसदी थी वह इस वर्ष नवंबर में 7 फीसदी पहुंच चुकी है।**

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

डब्ल्यूटीओ की आंख में खटकती एमएसपी

□□□ **देविंदर शर्मा**

न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानूनी जामा पहनाने वाली किसानों की मांग के आलोक में एक सवाल बार-बार उठाया जाता है कि क्या ऐसा कोई कदम विश्व व्यापार संगठन के प्रावधानों का उल्लंघन करेगा? इससे यह विषय काफी महत्वपूर्ण बन जाता है क्योंकि चंद अमीर मुल्क जैसे कि अमेरिका, यूरोपियन संघ और कनाडा, भारत पर सब्सिडी सीमा को लांघने का इल्जाम लगाते हैं जबकि भारत का पक्ष है कि खाद्य सुरक्षा एवं आजीविका सुनिश्चित करने को न्यूनतम समर्थन मूल्य व्यवस्था विश्व व्यापार संगठन के प्रावधानों के अनुरूप है, किंतु यह बात चंद सदस्य देशों को इस विवादित बिंदु को बारम्बार उठाने से नहीं रोक पा रही।

विकसित मुल्क की नज़र भारत के विशाल बाजार के बड़े हिस्से से लाभ उठाने पर गढ़ी है, जहां पहले ही लगभग 80 करोड़ से ज्यादा कुपोषित लोग राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के अंतर्गत सरकारी राशन पर निर्भर हैं। खुद के सब्सिडी प्राप्त खाद्यान्नों को अन्य देशों में आयात की मंजूरी मिल सके, इस मंतव्य से उनके सरकारी खाद्यान्न भंडारण सीमा को घटवाना सदा उनका एजेंडा रहा है। हालांकि जेनेवा में 20 नवम्बर से 3 दिसम्बर तक निर्धारित 12वीं अंतर-मंत्रालय बैठक को स्विट्ज़रलैंड द्वारा कोविड के ओमिक्रॉन रूपांतर के मद्देनजर लगाए प्रतिबंधों की वजह से स्थगित करना पड़ा ह, लेकिन इससे पहले समझौते के अंतिम मसौदे की बाबत गर्मागर्म बहस चली थी। बेशक कुछ देशों की इस बात को अंतिम मसौदे में जगह नहीं मिली, जब वे यह कहने तक चले गए कि 'रिवायती आम खुराक' हेतु आवश्यक खरीद सीमा को कुल कृषि उत्पाद के 15 प्रतिशत तक सीमित किया जाए। यदि इस प्रस्ताव को मंजूरी मिल जाती और इस बात के मद्देनजर कि विश्व भूख सूचकांक-2021 में 116 देशों में भारत 101वां स्थान रखता है, तब उक्त फैसले का खाद्य एवं पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने पर चिंताजनक असर होना अवश्यंभी था। यह वर्ष 2013 में बाली में विश्व व्यापार संगठन का अंतर-मंत्रालय सम्मेलन था, जिसमें भारत जैसे विकासशील देश जद्दोजहद के बाद अंतरिम 'शांति धारा' रूपी सुरक्षा पाने में सफल हुए थे। जहां एक ओर विकासशील देशों से उम्मीद की जाती है कि वे प्रशासित मूल्य के जरिए सब्सिडी को उत्पाद-विशेष की कीमत की 10 फीसदी से कम रखेंगे, वहीं अमीर देशों के लिए यह ऊपरी

सीमा 5 प्रतिशत निर्धारित है। अमेरिका, यूरोपियन यूनियन और केयनर्स ग्रुप (निर्यातक देशों का एक समूह) के अन्य सदस्य मुल्क भारत द्वारा गेहूं और चावल पर तयशुदा सीमा से ज्यादा दी जाने वाली सब्सिडी को 'व्यापारिक विकृति' ठहराकर लगातार आवाज़ उठाते आते आए हैं। वही जी-33 समूह (47 विकासशील देशों का समूह) अपने गरीब एवं कुपोषित तबके और छोटे किसान की खाद्यान्न, आजीविका और पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने की साझी समस्या का स्थाई हल निकालने को कह रहे हैं। वर्ष 2018-19 में भारत ने विश्व व्यापार संगठन की 'शांति धारा' का प्रयोग करते हुए सूचित किया कि डी मिनिमिस कीमत पार कर चावल पर सब्सिडी दी गई है। यह धारा विकासशील देशों को किसी व्यापारिक विवाद से सुरक्षित करती है, फिर भले ही सब्सिडी की ऊपरी सीमा का उल्लंघन क्यों न हो। वर्ष 2018 में भारत और चीन ने विश्व व्यापार संगठन को संयुक्त प्रस्ताव में कहा था कि जिस तरह अमीर देश खुद एग्रीगेट मेसर ऑफ स्पोर्ट (एएमएस) प्रावधान का इस्तेमाल करके 160 बिलियन डॉलर मूल्य की 'व्यापार विकृति' सब्सिडी दे रहे हैं, उसे बंद करवाया जाए। भारत ने सितम्बर, 2021 के अपने नवीनतम पत्र में वैश्विक कृषि व्यापार में ऐसी विसंगति हटाने की अपील की है। अमेरिका और कनाडा में, केवल डेयरी सेक्टर को ही उत्पाद-विशेष सब्सिडी सहायता मद में 50 फीसदी से ज्यादा राहत सालों तक मिली है। बड़ी चतुराई से इस 'उत्पाद-विशेष मदद' को अब 'गैर-उत्पाद सहायता' में बांटकर दूसरों को बताया जा रहा है कि सवालिया सब्सिडी को अन्य महत्वपूर्ण व्यावसायिक व्यापारिक गतिविधियों के जरिए इस तरह नीचे रखा जा सकता है। वहीं विकसित देश भारत पर गेहूं, चावल, चीनी और कपास पर सब्सिडी सीमा का उल्लंघन का आरोप लगाते हैं। उनका अपना सब्सिडी बहीखाता बांचने पर खुलासा होता है कि वैश्विक व्यापारिक निज़ाम कितना पक्षपाती है। जहां भारत ने अब कहीं जाकर चावल पर तयशुदा 10 फीसदी सीमा से ऊपर सब्सिडी दी है वहीं अमेरिका उत्पाद-विशेष मद के तहत चावल पर 82 प्रतिशत सब्सिडी देता है तो यूरोपियन यूनियन में यह 66 फीसदी है, जो विश्व व्यापार संगठन द्वारा निर्धारित नियमों का बड़ा उल्लंघन है।

बयानों से क्रिकेट को ही नुकसान

□□□ **अभिषेक दुबे**

भारत की एकदिवसीय क्रिकेट टीम की कप्तानी से विराट कोहली को हटाने को लेकर चर्चाएं गर्म हो गई हैं। इस संदर्भ में यह समझना जरूरी है कि इसकी पृष्ठभूमि कुछ समय पहले से ही बन रही थी। यह जगजाहिर तथ्य है कि लंबे समय से तीनों प्रारूपों की टीमों का संचालन कोच रवि शास्त्री और कप्तान विराट कोहली कर रहे थे और अपनी इच्छा से कर रहे थे। जब से सौरभ गांगुली भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के अध्यक्ष बने, उसी समय से वे दो बातों को लेकर निश्चित थे- एक यह कि रवि शास्त्री को लेकर लंबे समय तक नहीं चला जा सकता है तथा दूसरी बात यह कि भारतीय टीम का प्रदर्शन इसलिए अच्छा है क्योंकि टीम अच्छी है और इसमें कोच की कोई विशेष भूमिका नहीं है। उनका मानना रहा है कि टीम की 60-65 प्रतिशत सफलता से हम संतुष्ट हो रहे हैं, पर अगर टीम को अच्छा नेतृत्व मिले तो वह इससे कहीं अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता रखती है। गांगुली की नजर में वर्तमान टीम की दो कमियां रही हैं- एक, इसने कोई भी आईसीसी कप नहीं जीता है और दूसरा टीम की संरचना की वजह से हम अनेक अहम मैच हार गये हैं। यह पृष्ठभूमि रही है भारतीय टीम के इंग्लैंड दौरे से पहले।

इंग्लैंड दौरे में लगातार चार मैचों में अश्विन को बाहर बैठाये रखा गया था। न्यूजीलैंड से हार के बाद विराट कोहली ने यह कह दिया था कि टीम ने गंभीरता से नहीं खेला था। कुछ खिलाड़ियों को यह बात अच्छी नहीं लगी थी। इंग्लैंड दौरे में गांगुली और जय शाह भी थे। वहां कुछ खिलाड़ियों ने गांगुली से मुलाकात की थी, जिनमें अश्विन भी थे और उन्होंने कहा कि जिस तरह से खेलनेवाले 11 खिलाड़ियों को चुना जाता है, उस प्रक्रिया से वे नाखुश हैं क्योंकि उसमें कोई पारदर्शिता नहीं है। इसका मतलब यह था कि शास्त्री और कोहली की इच्छा से टीम बनती है। उसी दौरान बोर्ड ने यह तय कर लिया था कि कोच के तौर पर रवि शास्त्री का कार्यकाल आगे नहीं बढ़ाया जायेगा। ऐसे में नये कोच की खोज शुरू हुई।

ROHIT
45
INDIA

इनके सामने सबसे प्रमुख नाम राहुल द्रविड़ का था, लेकिन वे हिचक रहे थे। इसका कारण यह था कि द्रविड़ ने देखा था कि पहले विराट कोहली ने कोच अनिल कुंबले के साथ किस तरह का व्यवहार किया था। वे तैयार नहीं हो रहे थे तो बोर्ड ने उन्हें भरोसा दिलाया कि अगर उनके और कोहली के बीच में कोई समस्या आती है, बोर्ड का पूरा समर्थन द्रविड़ के साथ होगा। साथ ही नेतृत्व यह भी मन बना चुका था कि विराट कोहली को एक टीम की कप्तानी से हटा दिया जायेगा। कुल मिला कर वर्तमान विवाद का विश्लेषण यही है। अब यह हुआ कि विराट कोहली इस स्थिति को पचा नहीं सके। राहुल द्रविड़ को कोच बनाया जाना उन्हें पसंद नहीं आया। उन्होंने टी-20 टीम की कप्तानी तो छोड़ दी, पर वे एकदिवसीय टीम का कप्तान बने रहना चाहते थे। अब समस्या यह रही कि जब कोहली ने टी-20 की कप्तानी छोड़ी थी, तभी उन्हें यह संकेत दे देना चाहिए था कि वे एकदिवसीय टीम की कप्तानी भी छोड़ दें और भारतीय टेस्ट टीम का नेतृत्व करते रहें, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। यह सब ढंग से उन्हें बता दिया जाना चाहिए था।

अब जब टीम की घोषणा की गयी, तब बोर्ड ने कोहली को जानकारी दी कि अब वे एकदिवसीय टीम के कप्तान नहीं रहेंगे। बस इस विवाद की इतनी ही कहानी है और यह सब सही संवाद की कमी का नतीजा है। ऐसा नहीं है कि किसी भी संबंधित व्यक्ति या पक्ष का इरादा ठीक नहीं है। मेरा मानना है कि मौजूदा प्रकरण बहुत जल्दी समाप्त हो जायेगा और इसके लंबा चलने की कोई उम्मीद नहीं है। ऐसा कहने के पीछे तीन कारण हैं। ऐसी किसी समस्या के गंभीर होने की एक बड़ी वजह यह होती है कि किसी का इरादा या उद्देश्य ठीक नहीं हो। यहां न तो सौरभ गांगुली का इरादा खराब है और न ही राहुल द्रविड़ या विराट कोहली या रोहित शर्मा का। ये सभी लोग अपनी भूमिका को समझ रहे हैं और जो कमी होगी, वह भी जल्दी ही समझ में आ जायेगी।

इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसी टीमों में क्रिकेट के हर रूप में अलग-अलग कप्तान होते हैं। उनके यहां यह प्रक्रिया पहले ही अपनायी जा चुकी है। अब हमारे यहां इसे लागू किया जा रहा है। इस बात को हमारे खिलाड़ी भी जल्दी समझ जायेंगे, ऐसी उम्मीद की जा सकती है। जैसा मैंने पहले रेखांकित किया है कि आज जो स्थिति बनी है, वह ठीक से आपसी संवाद न हो पाने के कारण पैदा हुई है, पर यह आशा की जा सकती है कि सभी संबद्ध लोग एक-दूसरे के संपर्क में होंगे और गलतफहमियों व शिकायतों को दूर किया जा रहा होगा।

इस चर्चा में एक व्यावहारिक पहलू का भी संज्ञान लिया जाना चाहिए। हम सब जानते हैं कि क्रिकेट के तीनों रूपों में बहुत अधिक मैच खेले जा रहे हैं। महामारी के कारण खिलाड़ियों को बायो-बबल में रहना पड़ता है। ऐसे में एक नेतृत्व तीनों टीमों में अपनी भूमिका ठीक से नहीं निभा सकता है। आखिरकार खेल प्रशंसकों को क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड, कोच, कप्तान और खिलाड़ियों से बेहतर खेल की अपेक्षा रहती है। इन सभी की भी यही इच्छा और कोशिश होती है। गुटबंदी और बेमतलब बयानों से भारतीय क्रिकेट को बड़ा नुकसान हो सकता है। ऐसा नहीं होना चाहिए।

खाएं संतुलित आहार

सर्दियों में भी बढ़ाएं हड्डियों की मजबूती

तापमान गिरने के साथ ही कुछ लोगों में हड्डियों से जुड़ी समस्या शुरू हो जाती है। ठंड में उन्हें जोड़ों के दर्द की शिकायत रहती है। अगर आप भी अपने इस दर्द की वजह से सर्दियों के मौसम का मजा नहीं ले पाते हैं तो आपको जरूरत है अपने खान पान में बदलाव करने की। एक्सपर्ट इस स्थिति से बचने के लिए दूध पीने की सलाह देते हैं लेकिन दूध के अलावा भी ऐसे दूसरे स्रोत उपलब्ध हैं, जिससे आप अपने शरीर को सेहतमंद रख सकते हैं। आपको ऐसी चीजों का सेवन बढ़ाना चाहिए, जिसमें कैल्शियम की मात्रा भरपूर हो। हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए शरीर में कैल्शियम का स्तर अच्छा होना चाहिए। आपको अपनी डाइट में ऐसी चीजों को शामिल करना चाहिए जो शरीर में कैल्शियम की पूर्ति करते हों। इससे आपको ठंड का सामना करने की ताकत तो मिलेगी ही साथ ही हड्डियों से जुड़े दर्द में भी आराम मिलेगा। आज हम आपको कुछ ऐसे आहार के बारे में बताएंगे, जिनको सर्दियों में खाना आपके लिए काफी फायदेमंद रहेगा।

दूध और ड्राई फ्रूट

आप अपनी डाइट में दूध को शामिल करें। उसकी पोषकता बढ़ाने के लिए उसमें ड्राई फ्रूस मिला लें। बादाम खाने से भी हड्डियां मजबूत होती हैं क्योंकि इसमें भी कैल्शियम पाया जाता है।

सोया दूध या टोफू

अगर आपको नॉर्मल दूध पीना बिल्कुल अच्छा नहीं लगता है तो आप सोया दूध या टोफू का सेवन कर सकते हैं। इनका स्वाद दूध के स्वाद से काफी अलग होता है पर इनमें कैल्शियम की प्रचुरता पाई जाती है।

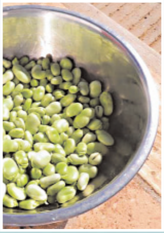

बीन्स

बीन्स भी कैल्शियम का बहुत अच्छा स्रोत है। बीन्स की एक कटोरी में 24 प्रतिशत तक कैल्शियम होता है। शरीर में कैल्शियम की कमी को पूरा करने के लिए बीन्स को अपनी डाइट में शामिल करें।

भिंडी

भिंडी सिर्फ हड्डियों की मजबूती के लिए ही नहीं, दांतों की सेहत के लिए भी बहुत असरकारक होते हैं। एक कटोरी भिंडी में 40 ग्राम कैल्शियम होता है। इसका सेवन आप हफ्ते में दो बार कर सकते हैं।

पनीर

अगर आपको दूध पसंद नहीं है तो आप दूसरे खाद्य पदार्थों से उसकी पूर्ति कर सकते हैं। आप सर्दियों में पनीर का सेवन कर सकते हैं। पनीर में भी भरपूर मात्रा में कैल्शियम होता है। पनीर का सेवन करने से शरीर में कैल्शियम के साथ प्रोटीन की भी कमी पूरी हो जाती है जो हड्डियों को मजबूती देता है। अगर आप पनीर के वास्तविक गुण को बनाए रखना चाहते हैं तो इसे ज्यादा तेल में ना बनाएं। आप ग्रिल्ड करके इसे खा सकते हैं।

दही

अगर आप रोजाना दही को अपनी डाइट में शामिल करते हैं तो ये भी हड्डियों को प्रोटेक्ट करने का काम बखूबी करते हैं। आप चीनी की जगह इसमें जीरा पाउडर और नमक मिलाकर खा सकते हैं। एक कटोरी दही में 30 प्रतिशत कैल्शियम के साथ-साथ फास्फोरस, पोटेशियम, विटामिन बी-2 और बी-12 होता है, इसलिए यदि आपको दूध नहीं पसंद तो आप दही खा सकते हैं।

संतरे का जूस

संतरे के रस में भी विटामिन डी मौजूद होता है। मगर कोशिश करें कि जूस में शुगर की मात्रा ज्यादा ना हो।

मशरूम

बढ़ती उम्र के लोगों के लिए मशरूम में उपस्थित विटामिन काफी लाभदायक होते हैं। आप सब्जी, सूप या किसी और रूप में इसका सेवन कर सकते हैं।

पालक

पालक में आयरन के अलावा कैल्शियम भी भरपूर मात्रा में होता है। 100 ग्राम पालक में 99 मिलीग्राम कैल्शियम पाया जाता है। आप सप्ताह में कम से कम तीन बार पालक का सेवन कर सकते हैं।

मछली

फिश में मौजूद विटामिन भी हड्डियों से जुड़ी समस्या को दूर रखने में सहायता करते हैं।

अंडा

सर्दियों में अंडा खाना भी काफी फायदेमंद होता है। आप बॉयल या फिर ऑमलेट के रूप में रोजाना एक अंडे का सेवन कर सकते हैं।

फिश ऑयल

फिश ऑयल या कॉड लिवर तेल में विटामिन डी मौजूद होता है। आप इसके लिए बाजार में मिलने वाले कैप्सूल भी ले सकते हैं।

हंसना मना है

दो सहेलियां आपस में बात कर रही थीं। महिला: पहले मेरे पति भाग-भाग कर मेरी सारी फरमाइशें पूरी करते थे। सहेली: और अब? महिला: अब फरमाइश सुनते ही भाग जाते हैं।

बेटी अपनी दादी से: क्या आप एक्टिंग करती हैं? दादी: नहीं तो, लेकिन क्यों? बेटी: सुबह मां पिताजी से कह रही थीं कि यदि आप यहां रहीं तो ड्रामा तो जरूर होगा।

पत्नी: आप बहुत मोटे हो गए हो। पति: तुम भी तो कितनी मोटी हो गई हो। पत्नी: पर मैं तो मां बनने वाली हूं। पति: तो मैं भी तो बाप बनने वाला हूं।

महिला: मुझे अपने पति पर शक है कि वो रोज किसी लड़की से मिलते हैं... मीना: अब तू क्या करेगी? टीना: कल ही उसके पीछे अपना बॉयफ्रेंड लगाती हूं।

टीचर: छिपकली कौन है? स्टूडेंट: छिपकली एक गरीब मगरमच्छ है जिसे बचपन में प्रोटीन वाला दूध नहीं मिला तो वो कुपोषण का शिकार हो गई।

पप्पू: पापा मुझे ढोलक खरीद दीजिए। पिता: न बेटे... तू ढोलक बजाकर मुझे तंग किया करेगा। पप्पू: नहीं पापा, मैं तो तब बजाऊंगा जब सब सो जाएंगे।

कहानी

सबसे बड़ा धनुर्धर

बहुत सी तीरंदाजी प्रतियोगिताएं जीतने के बाद एक नौजवान तीरंदाज खुद को सबसे बड़ा धनुर्धर मानने लगा। वह जहां भी जाता लोगों को उससे मुकाबला करने की चुनौती देता, और उन्हें हरा कर उनका मजाक उड़ाता। एक बार उसने एक प्रसिद्ध जेन मास्टर को चुनौती देने का फैसला किया और सुबह-सुबह पहाड़ों के बीच स्थित उनके मठ जा पहुंचा। मास्टर मैं आपको तीरंदाजी मुकाबले के लिए चुनौती देता हूं। नवयुवक बोला। मास्टर ने नवयुवक की चुनौती स्वीकार कर ली। मुकाबला शुरू हुआ। नवयुवक ने अपने पहले प्रयास में ही दूर रखे लक्ष्य के ठीक बीचो-बीच निशाना लगा दिया और अगले निशाने में उसने लक्ष्य पर लगे पहले तीर को ही भेद डाला। अपनी योग्यता पर घमंड करते हुए नवयुवक बोला, कहिये मास्टर, क्या आप इससे बेहतर करके दिखा सकते हैं? यदि 'हां' तो कर के दिखाइए, यदि 'नहीं' तो हार मान लीजिये। मास्टर बोले, पुत्र, मेरे पीछे आओ! मास्टर चलते-चलते एक खतरनाक खाई के पास पहुंच गए। नवयुवक यह सब देख कुछ घबराया और बोला, मास्टर, ये आप मुझे कहां लेकर जा रहे हैं? मास्टर बोले, घबराओ मत पुत्र, हम लगभग पहुंच ही गए हैं, बस अब हमें इस जर्जर पुल के बीचो-बीच जाना है। नवयुवक ने देखा की दो पहाड़ियों को जोड़ने के लिए किसी ने लकड़ी के एक कामचलाऊ पुल का निर्माण किया था, और मास्टर उसी पर जाने के लिए कह रहे थे। मास्टर पुल के बीचो-बीच पहुंचे, कमान से तीर निकाला और दूर एक पेड़ के तने पर सटीक निशाना लगाया। निशाना लगाने के बाद मास्टर बोले, आओ पुत्र, अब तुम भी उसी पेड़ पर निशाना लगा कर अपनी दक्षता सिद्ध करो। नवयुवक डरते-डरते आगे बढ़ा और बेहद कठिनाई के साथ पुल के बीचों-बीच पहुंचा और किसी तरह कमान से तीर निकाल कर निशाना लगाया पर निशाना लक्ष्य के आस-पास भी नहीं लगा। नवयुवक निराश हो गया और अपनी हार स्वीकार कर ली। तब मास्टर बोले, पुत्र, तुमने तीर-धनुष पर तो नियंत्रण हासिल कर लिया है पर तुम्हारा उस मन पर अभी भी नियंत्रण नहीं है जो किसी भी परिस्थिति में लक्ष्य को भेदने के लिए आवश्यक है। पुत्र इस बात को हमेशा ध्यान में रखो कि जब तक मनुष्य के अंदर सीखने की जिज्ञासा है तब तक उसके ज्ञान में वृद्धि होती है लेकिन जब उसके अंदर सर्वश्रेष्ठ होने का अहंकार आ जाता है तभी से उसका पतन प्रारम्भ हो जाता है। नवयुवक मास्टर की बात समझ चुका था, उसे एहसास हो गया कि उसका धनुर्विद्या का ज्ञान बस अनुकूल परिस्थितियों में कारगर है और उसे अभी बहुत कुछ सीखना बाकी है, उसने तत्काल ही अपने अहंकार के लिए मास्टर से क्षमा मांगी और सदा एक शिष्य की तरह सीखने और अपने ज्ञान पर घमंड ना करने की सौगंध ली।

7 अंतर खोजें

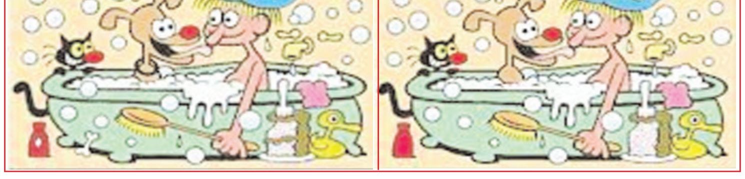

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति पर व्यय होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। नए मित्र बनेंगे।

वृषभ दूर से सुखद सूचना मिल सकती है। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यय होगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। बड़ा काम करने का मन बनेगा।

मिथुन पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है। विवाद को बढ़ावा न दें। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। थकान महसूस होगी। आय बनी रहेगी।

कर्क 'मेहनत का फल मिलेगा। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। कारोबार मनोनुकूल लाभ देगा। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से परिचय बढ़ेगा। शारीरिक कष्ट संभव है।

सिंह परिवार तथा मित्रों के साथ कोई मनोरंजक यात्रा का आयोजन हो सकता है। रुका हुआ पैसा मिलने का योग है। मित्रों के सहयोग से कार्य पूर्ण होंगे। आलस्य त्यागकर प्रयास करें।

कन्या कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। योजना फलीभूत होगी। कारोबार में वृद्धि पर विचार हो सकता है। नौकरी में अधिकारीगण प्रसन्न रहेंगे। मातहतों का सहयोग मिलेगा। शुभ समय।

तुला किसी धार्मिक स्थल की यात्रा की आयोजना हो सकती है। सत्संग का लाभ मिलेगा। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। घर-बाहर सुख-शांति रहेगी। ऐश्वर्य के साधनों पर बड़ा व्यय हो सकता है।

वृश्चिक चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। लापरवाही न करें। किसी व्यक्ति से व्यर्थ विवाद हो सकता है। मानसिक क्लेश होगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यापार ठीक चलेगा।

धनु कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है। कोई मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा।

मकर जल्दबाजी से काम बिगड़ेंगे तथा समस्या बढ़ सकती है। विरोध होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। बाहर जाने की योजना बनेगी। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग कार्य में आसानी देगा।

कुम्भ भूमि, भवन, दुकान, शोरूम व फैक्टरी इत्यादि की खरीद-फरोख्त हो सकती है। बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। विवाद को बढ़ावा न दें। कुसंगति से बचें।

मीन दूसरे से अधिक अपेक्षा करेंगे। जल्दबाजी से काम में बाधा उत्पन्न होगी। दौड़धूप अधिक रहेगी। बुरी सूचना मिल सकती है, धैर्य रखें। बनते कामों में देरी होगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

रिलीज होते ही लीक हुई अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा द राइज

बॉलीवुड मसाला

दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की मोस्ट अवेटेड फिल्म पुष्पा द राइज शुक्रवार यानी कि आज सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। खास बात तो यह है कि फिल्म से जैसी उम्मीदें लगाई जा रही थीं, उन पर यह खरी उतरती भी दिख रही हैं। फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों के बीच खूब पसंद किया जा रहा है। लेकिन इसी बीच अब एक बड़ी खबर सामने आई है। दरअसल, पुष्पा रिलीज होते ही पाइरेसी का शिकार हो गई है। फिल्म की ग्रैंड रिलीज के कुछ ही घंटों बाद यह कई वेब साइट्स पर एचडी प्रिंट में ऑनलाइन लीक हो गई है। अब इस खबर से मेकर्स को तगड़ा झटका लगा है। ऐसे में पहले ही दिन फिल्म के लीक होने से इसकी बॉक्स ऑफिस कमाई पर भी गहरा असर देखने को मिल सकता है। हालांकि, पहली बार ऐसा नहीं हुआ है कि जब किसी बड़ी फिल्म को पाइरेसी का सामना करना पड़ रहा है। इससे पहले भी कई बॉलीवुड और साउथ फिल्में रिलीज के कुछ ही देर बाद ऑनलाइन लीक की जा चुकी हैं। हालांकि, इससे बचने के लिए मेकर्स काफी सावधानी बरतते हैं, लेकिन लाख कोशिशों के बावजूद अक्सर फिल्मों को पाइरेसी से जूझना पड़ता है। गौरतलब है सुकुमार के निर्देशन में बनी फिल्म पुष्पा को तेलुगु के अलावा तमिल, कन्नड़ और हिन्दी भाषाओं में भी रिलीज किया गया है, लेकिन फिल्म मलयालम भाषा में कल यानी 18 दिसंबर को रिलीज की जाएगी। फिल्म में अल्लू अर्जुन के साथ रश्मिका मंदाना को लीड एक्ट्रेस के तौर पर देखा जा रहा है। जबकि सामंथा ने अपने आइटम सॉन्ग से इसमें चार चांद लगाए हैं।

अब मौनी रॉय भी बनने जा रही हैं दुल्हन

मौनी रॉय अक्सर अपने लुक्स को लेकर चर्चा में बनी रहती हैं। पूरा देश आज उनकी अदाओं का दीवाना है। लेकिन इस बार मौनी अपनी शादी के कारण चर्चा में आ गई हैं, जिसकी अब तारीख भी सामने आ रही है। टीवी और बॉलीवुड इंडस्ट्री में इन दिनों शादियों क सीजन खूब जोरों पर है। लगभग हर दिन किसी न किसी सितारे की शादी की खबरें सुनने को मिलने लगी है। अब इस लिस्ट में छोटे पर्दे की जानी मानी अदाकारा मौनी रॉय का नाम भी शुमार होता दिख रहा है। हाल ही में आई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अब मौनी ने भी दुल्हन बनने की तैयारी कर ली हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो मौनी नए साल के मौके पर शादी करने वाली हैं। इसके अलावा उनकी शादी की तारीख भी सामने आ गई है। कहा जा रहा है मौनी जनवरी, 2022 में शादी के बंधन में बंधने वाली हैं। इनकी शादी के फंक्शन्स 25 जनवरी से शुरू हो सकते हैं और 27 जनवरी को ग्रैंड शादी का आयोजन किया जाने वाला है। खबरों की माने तो मौनी पिछले कुछ वक्त से दुबई बेस्ड बिजनेसमैन सूरज नंबियार को डेट कर रही हैं। पहले खबर आई थी कि मौनी और सूरज दुबई में ही शादी करने वाले हैं, लेकिन अब इन्होंने शादी के वेन्यू को लेकर थोड़ा बदलाव किया है। अब इनकी शादी का आयोजन भारत में ही किया जाने वाला है। वहीं, इनकी शादी में सिर्फ परिवार के सदस्यों और कुछ करीबी दोस्तों को ही शुमार किया गया है। कहा जा रहा है कि अगर कोरोना ना होता तो ये दोनों काफी समय पहले ही शादी कर चुके होते। हालांकि फिलहाल मौनी की शादी या डेटिंग की खबरों को लेकर आधिकारिक तौर पर कोई पुष्टि नहीं की गई है।

बॉलीवुड मन की बात

फिर डराने आ रही हैं नुसरत भरूचा, छोरी 2 का हुआ ऐलान

नुसरत भरूचा ने अपने अब तक के करियर में हर तरह की भूमिका को बखूबी पर्दे पर उतारा है। पिछले ही दिनों उन्हें फिल्म छोरी में देखा गया था। फिल्म में उनके किरदार को काफी पसंद किया गया था। उनकी इस फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों के बीच काफी सराहा गया था। फिल्म को मिली प्रतिक्रिया को देखते हुए ही मेकर्स ने अब एक बड़ा फैसला लिया है। छोरी की सफलता के बाद, निर्माताओं ने इसके सीक्वल के साथ कहानी की फ्रेंचाइजी को आगे बढ़ाने का फैसला किया है। विशाल फुरिया द्वारा निर्देशित अगली कड़ी छोरी 2 शीर्षक से, नुसरत के चरित्र साक्षी की कहानी को उठाएगी। जहां से पहला पार्ट शुरू हुआ था, साथ ही कुछ प्रमुख पात्रों को वापस लाएगी। सीक्वल की घोषणा करते हुए निर्देशक ने कहा मैं छोरी की कहानी को इसके सीक्वल के साथ अगले स्तर पर ले जाने के लिए रोमांचित हूं। मैंने हमेशा छोरी को एक मल्टीपल फिल्म फ्रैंचाइजी के रूप में देखा है और सीक्वल की कहानी को विकसित करना तभी शुरू कर दिया था, जब हम पहले संस्करण का फिल्मांकन कर रहे थे। फिल्म का निर्माण साइक द्वारा किया जाएगा, जो अबुदंतिया एंटरटेनमेंट का हॉरर वर्टिकल है। स्क्रिप्ट टीवी और टी-सीरीज के साथ भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, विक्रम मल्होत्रा, जैक डेविस और शिखा शर्मा निर्माता रहेंगे। निर्माताओं ने सीक्वल के संबंध में एक संयुक्त बयान जारी करते हुए कहा, छोरी को मिली आलोचनात्मक प्रशंसा और प्रशंसक प्यार हमारे इस विश्वास का एक प्रमाण है कि भारतीय दर्शकों को उच्च गुणवत्ता वाले हॉरर कंटेंटे की एक मजबूत भूख है। हम आशा करते हैं कि हम अधिक रोमांचक और अनूठी कहानियों के साथ उनकी सेवा करना जारी रखेंगे।

120 दिनों से पानी की टंकी पर बैठी है ये लड़की

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से एक हैरान कर देने वाली खबर सामने आ रही है। यहां एक लड़की पिछले 120 दिनों से पानी की टंकी के ऊपर रह रही है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि यह लड़की सिर्फ वाशरूम जाने के लिए अपनी जगह से उठती है, वर्ना एक ही जगह पर सारा दिन-सारी रात बैठी रहती है। अब आप सोच रहे होंगे कि इस लड़की की ऐसी क्या मजबूरी है जो वह पिछले 120 दिनों से पानी की टंकी पर रह रही है! दरअसल, यह लड़की इतनी ठंड में पानी के टंकी के ऊपर इसलिए रह रही है, क्योंकि वह विरोध प्रदर्शन कर रही है। 36 साल की शिखा पाल लखनऊ के निशातगंज इलाके में स्थित शिक्षा निदेशालय के पास एक पानी की टंकी के ऊपर पिछले 120 दिनों से विरोध प्रदर्शन कर रही हैं। शिखा की मांग है कि हाल ही में शिक्षण के 69,000 पदों पर भर्ती के दौरान जो 22000 सीटें खाली हुई थीं, सरकार उसमें उन्हें नौकरी दे। शिखा दावा करती हैं कि उन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय से मास्टर डिग्री ली है। इसके बाद भी वह नौकरी के लिए संघर्ष कर रही हैं। उन्होंने कहा कि भले ही उन्हें पूरे दिसंबर ठंडी में यहीं बैठना पड़े, लेकिन वह अपनी मांग मनवाए बिना नहीं मानेंगी। शिखा बताती हैं कि वह सिर्फ वॉशरूम के लिए अपनी जगह छोड़ती हैं। इसके अलावा किसी चीज के लिए अपनी जगह नहीं छोड़ती हैं। उन्होंने बताया कि एक रस्सी के माध्यम से उन्हें लोग बैग में भरकर भोजन और अन्य चीजें दे जाते हैं। वह पावर बैंक का उपयोग कर अपना मोबाइल फोन चार्ज करती हैं। उन्होंने कहा कि वह शिक्षा विभाग द्वारा संचालित प्राथमिक विद्यालय में भी पढ़ाने को तैयार हैं।

अजब-गजब

भगवान कृष्ण का रहस्यमयी मंदिर

अपने आप ही खुलता और बंद होता है इस मंदिर का दरवाजा

प्रवेश द्वार
कृपया जूता चप्पल पहन कर अन्दर न जायें।

कृष्ण नगरी वृन्दावन में एक ऐसा मंदिर हैं, जहां मान्यता है कि आज भी भगवान कृष्ण यहां हर रोज आते हैं। इस मंदिर का नाम रंगमहल है। यह वृंदावन में काफी प्रसिद्ध मंदिर है। इस मंदिर को लेकर लोगों के बीच आस्था है कि यहां रोज रात को कृष्ण भगवान और श्री राधा रास रचाने आते हैं।

यहां के पुजारी बताते हैं कि रंगमहल मंदिर का दरवाजा हर सुबह अपने आप खुद से खुलता है, वहीं हर रात्रि यहां का दरवाजा खुद से ही बंद हो जाता है। बताया जाता है कि यहां आकर भगवान कृष्ण भोग लगा सकें, इसके लिए यहां मक्खन रखा जाता है। यहां रहने वाले पुजारी बताते हैं कि श्रीकृष्ण और राधा हर रोज यहां शयन करने आते हैं। इसलिए हर रोज उनके लिए बिस्तर लगाया जाता है। पुजारियों के अनुसार, सुबह बिस्तर की सिलवटें देखने से प्रतीत होता है कि निश्चित ही भगवान यहां रात्रि विश्राम के लिए आए थे। यहां श्रृंगार की सामग्री भी हर रोज बिखरी मिलती है। इसके अलावा रात को रखा गया भोग खाया हुआ प्रतीत होता है। इस मंदिर के पास एक वन है, जिसे निधि वन के नाम से जाना जाता है। यह वन भी काफी रहस्यमयी जगह है। लोग बताते हैं कि भगवान श्रीकृष्ण और श्री राधा निधि वन में आधी रात के बाद रास रचाते हैं। जहां भगवान कृष्ण, राधा जी के साथ रास रचाते हैं, वहां लोगों के रुकने की मनाही है। पुजारी बताते हैं कि जिस जगह पर भगवान कृष्ण रास रचाते हैं वहां इससे पहले दो व्यक्तियों ने छिपकर भगवान का दर्शन करने के बारे में सोचा था, लेकिन अगली सुबह दोनों पागल हो गए थे। इसमें से एक संत थे, जिनकी समाधि यहां बनाई गई है। इस स्थान की सबसे ज्यादा आश्चर्य करने वाली बात यह है कि यहां आप दिन में पक्षियों को देख सकते हैं, लेकिन रात्रि होते ही वह यहां से चले जाते हैं। मान्यता है कि जो भी यहां सच्चे दिल

यूपी में ओमिक्रॉन की दस्तक से हड़कंप

गाजियाबाद में मिले दो मरीज, अलर्ट जारी, महाराष्ट्र से लौटे थे पति-पत्नी, जांच में तेजी लाने के निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कोरोना के ओमिक्रॉन वेरिएंट ने दस्तक दे दी है। इस वायरस से संक्रमित दो मरीज गाजियाबाद में मिले है। दोनों महाराष्ट्र की यात्रा कर लौटे थे। संक्रमण की पुष्टि के बाद स्वास्थ्य विभाग ने अलर्ट जारी कर दिया है।

उत्तर प्रदेश के अपर मुख्य सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि गाजियाबाद के नेहरूनगर के रहने वाले पति-पत्नी पिछले दिनों महाराष्ट्र की यात्रा करके लौटे। यहां आने पर उनको बुखार हो गया। जांच करने पर कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए। दोनों के सैंपल जीनोम सिक्वेंसिंग के लिए लखनऊ भेजे गए थे। शुक्रवार को रिपोर्ट आने पर दोनों में ओमिक्रॉन वेरिएंट की पुष्टि हो गई है। अभी तक ओमिक्रॉन प्रभावित राज्यों और विदेश से उत्तर प्रदेश लौटे 89 लोगों के सैंपल जीनोम सिक्वेंसिंग के लिए भेजे जा चुके हैं। इसमें 46 सैंपल की रिपोर्ट आ चुकी है और दो में अब तक ओमिक्रॉन पाया गया है। ओमिक्रॉन संक्रमित मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह से अलर्ट हो गया है। कोरोना जांच में और तेजी लाने के निर्देश दिए गए हैं। ओमिक्रॉन संक्रमित इन दो मरीजों के संपर्क में आए लोगों का भी कोरोना टेस्ट कराया जा रहा है। एयरपोर्ट, रेलवे व बस स्टेशन पर पहले से ही सख्ती के साथ बाहर से आ रहे लोगों की जांच कराई जा रही है। ऐसे लोग जो संक्रमित पाए जा रहे हैं, उनके सैंपल जीनोम सिक्वेंसिंग के लिए भेजे जा रहे हैं।

OMICRON
VARIANT

दूसरे राज्यों से आने वालों पर नजर

उत्तर प्रदेश स्टेट सर्विलांस आफिसर डा. विकासेंदु अग्रवाल का कहना है कि ओमिक्रॉन प्रभावित राज्यों व दूसरे देशों से आ रहे लोगों पर विशेष नजर रखी जा रही है। प्रदेश में अभी तक तीन चरणों में 89 लोगों के सैंपल जीनोम सिक्वेंसिंग के लिए भेजे जा चुके हैं। पहले चरण में 22 सैंपल की जांच में 21 सैंपल में डेल्टा वैरिएंट मिला था। अब दूसरे चरण में भेजे गए 24 सैंपल की रिपोर्ट आई है और इसमें दो लोगों में ओमिक्रॉन वेरिएंट की पुष्टि हुई है। अभी 43 सैंपल के नतीजे आने बाकी हैं। भारत में दो दिसंबर को पहला केस मिला था। देश के 12 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में अभी तक इसके 102 संक्रमितों की पुष्टि हो चुकी है।

कोरोना से संक्रमित 22 नए रोगी मिले

उत्तर प्रदेश में बीते 24 घंटे में 1.78 लाख लोगों की जांच में 22 नए कोरोना संक्रमित मिले हैं। इसमें गौतमबुद्ध नगर व मुजफ्फरनगर में छह-छह, गाजीपुर व लखनऊ में दो-दो और गाजियाबाद, कानपुर, सोनभद्र, देवरिया, बिजनौर व शाहजहांपुर में एक-एक रोगी मिला है। इससे पहले चार दिसंबर को 27 व पांच दिसंबर को 29 मरीज मिले थे। अब सक्रिय केस बढ़कर 164 हो गए हैं।

इंदिरा नहर में कार गिरी, मासूम सहित चार की मौत

» तीन सुरक्षित, दो लापता मासूमों की तलाश जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगराम के भौराकला गांव के पास इंदिरा नहर में कार गिर गई। हादसे में तीन साल की मासूम साहित चार की मौत हो गई। मृतकों में रुपा देवी, संगीता, रुपेश मिश्रा, चाहत का शव नहर से बाहर निकाल दिया गया है। वहीं रूद्रा (तीन वर्ष) और अनन्या (7 वर्ष) की तलाश की जा रही है जबकि तीन लोगों सुरक्षित हैं। हादसे का शिकार परिवार पीलीभीत के मैनी गांव का रहने वाला था।

एडीसीपी दक्षिणी राजेश श्रीवास्तव के मुताबिक मूलरूप से सुल्तानपुर के कोड़वार राजापुर गांव निवासी गंगा प्रसाद मिश्रा रिटायर आईएएस विजय शंकर पांडेय के फार्म हाउस पर काम करते हैं। गंगा की बेटी संगीता की शादी पीलीभीत के विलसंडा के मैनी गांव निवासी रामरतन मिश्रा के बेटे रामपाल से हुई थी। शुक्रवार सुबह साज बजे संगीता अपने पिता गंगा प्रसाद से मिलने के लिए पीलीभीत से चली। उसके साथ सास रुपा देवी, बेटा रूद्रा, बेटी चाहत और अनन्या, भतीजा रुपेश, रिश्तेदार गोवर्धन, कपिल और चालक कुलदीप थे। कार से निकले लोग करीब चार बजे नगराम के भौराकला गांव के पास पहुंचे। जहां रास्ता खराब होने केकारण नहर की पटरी पर कार चली गई।

अचानक कार बेकाबू होकर नहर में गिर गई। नहर में कार गिरने के कुछ देर बाद चालक कुलदीप, गोवर्धन बाहर निकल गये। नहर में डूब रहे कपिल को ग्रामीणों ने बचा लिया। वहीं अन्य की तलाश शुरू की। पुलिस मौके पर पहुंची। क्रेन की मदद से कार को नहर से बाहर निकाला गया। कार को जैसे खोला गया तो अंदर रुपा देवी, संगीता, रुपेश और चाहत का शव पड़ा मिला। सभी कार की पिछली सीट पर मृत पाये गये। पुलिस ने तत्काल एंबुलेंस से शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

फर्जी नाम से तीन करोड़ के लोन का घपला, दो गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। गोरखपुर जिला सहकारी बैंक की सिकरीगंज शाखा में 400 फर्जी लोगों के नाम पर तीन करोड़ रुपये का व्यावसायिक व व्यक्तिगत लोन जारी कर उसे हड़पने का मामला प्रकाश में आया है। वर्ष 2012 से 2015 के बीच हुए इस घोटाले में तत्कालीन शाखा प्रबंधक, कैशियर समेत कई अन्य लोगों की मिलीभगत सामने आई है। बैंक प्रबंधन ने इस मामले में जांच बैठाकर मुख्य आरोपी शाख प्रबंधक श्रीराम नाथ को निलंबित कर दिया है। पुलिस दो आरोपितों को गिरफ्तार कर मुख्य अभियुक्त की तलाश में जुटी है।

पुलिस की छानबीन में पता चला कि बैंक में जमा जनता की गाढ़ी कमाई को हड़पने वाले तत्कालीन शाखा प्रबंधक श्रीराम नाथ ने लोन देने के लिए फर्जी दस्तावेज तैयार कराए और कुछ दलालों की मिलीभगत से लगभग तीन करोड़ रुपये निकालकर उसे हड़प लिया। गोला क्षेत्र के रहने वाले आरोपित शाखा प्रबंधक ने फर्जीवाड़ा करने के लिए लोन के लिए किसी उच्चाधिकारी की स्वीकृति भी नहीं ली। सारे पदों की स्वीकृति हस्ताक्षर वह स्वयं कर लेता था। वहीं गिरफ्तार दो आरोपी लोन के किसी भी कागज पर गारंटी लेते थे। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सतोरा निवासी रामनिवास और बरौली निवासी जयप्रकाश के रूप में हुई है।

फोटो : 4पीएम

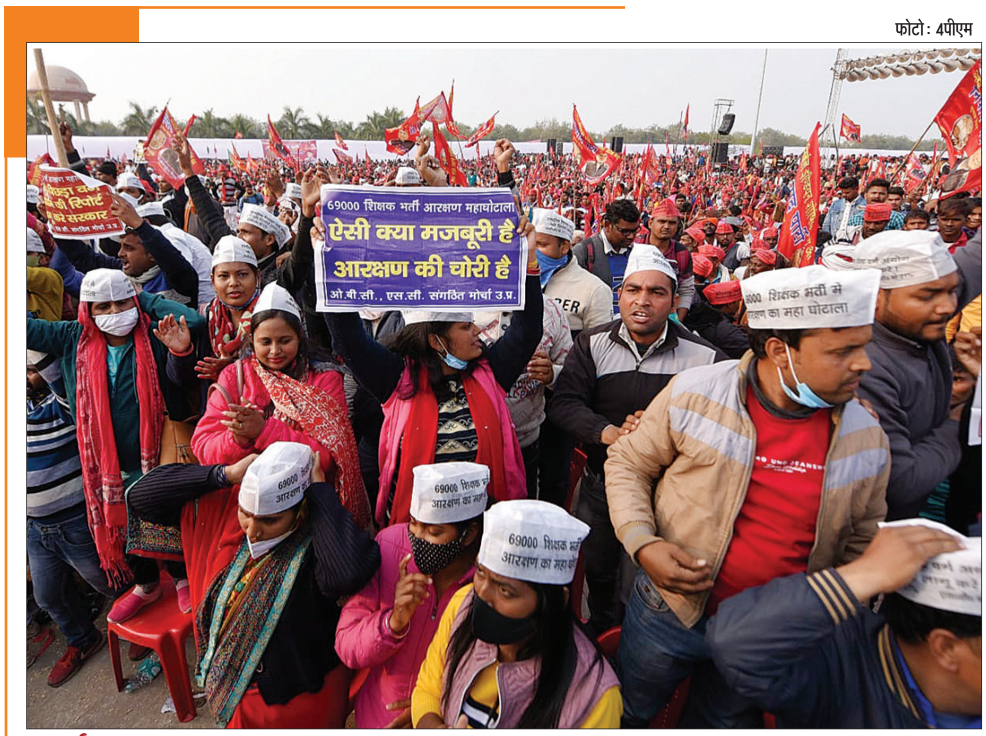
69000 शिक्षक भर्ती आरक्षण महाघोटाला
ऐसी क्या मजबूरी है
आरक्षण की चोरी है
ओ.बी.सी., एस.सी. संयुक्त मोर्चा उ.प्र.

प्रदर्शन 69000 शिक्षक भर्ती में आरक्षण की मांग को लेकर अभ्यर्थियां ने राजधानी में प्रदर्शन किया।

पंजाब में भाजपा के साथ मिलकर चुनाव लड़ेंगे कैप्टन

» गठबंधन की घोषणा, सीट बंटवारे पर अभी नहीं हुआ फैसला

» राज्य में बहुकोणीय मुकाबले के आसार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री एवं पंजाब लोक कांग्रेस पार्टी (पीएलसीपी) के प्रमुख कैप्टन अमरिंदर सिंह ने भाजपा के साथ गठबंधन की आधिकारिक घोषणा कर दी है। दिल्ली में केंद्रीय जलशक्ति मंत्री एवं पंजाब भाजपा के चुनाव प्रभारी गजेंद्र सिंह शेखावत से मुलाकात के बाद उन्होंने ट्वीट कर गठबंधन की जानकारी दी है। कैप्टन ने कहा कि शेखावत से सीटों के बंटवारे पर भी चर्चा हुई लेकिन इस पर अभी कोई अंतिम फैसला नहीं हो पाया है।

कैप्टन भाजपा और पंजाब लोक कांग्रेस पार्टी के बीच गठबंधन को अंतिम रूप देने के लिए दिल्ली पहुंचे थे। शेखावत से मुलाकात के बाद कैप्टन ने कहा कि हम प्रत्येक सीट का अध्ययन करेंगे। जहां-जिसकी स्थिति मजबूत होगी, वहां उस दल को सीट मिलेगी। वहीं, गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि अब हम कह सकते हैं कि भाजपा कैप्टन की पार्टी के साथ मिलकर चुनाव लड़ेगी। सीटों के बंटवारे का आधार क्या होगा, इसके बारे में सही समय पर सूचित कर दिया जाएगा।

कैप्टन के अलावा शिरोमणि अकाली दल (संयुक्त) के नेता एवं राज्य सभा सदस्य सुखदेव सिंह ढींडसा ने भी शेखावत से मुलाकात की और आगामी रणनीति पर चर्चा की। गठबंधन से कांग्रेस और शिरोमणि अकाली दल का नुकसान होगा। चुनाव में इस बार राज्य में बहुकोणीय मुकाबला देखने को मिलेगा।

भाजपा को भारी पड़ेगी पिछड़ों की उपेक्षा!

» अब नहीं चलेगा हिंदुत्व का जोर, निषादों की रैली में दिखा आक्रोश

» 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

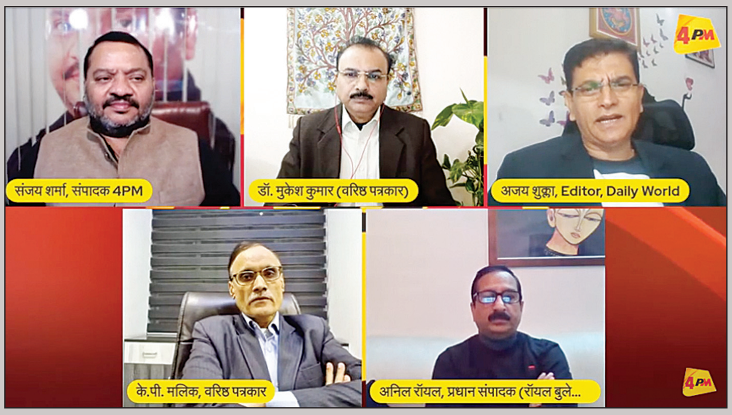
संजय शर्मा, संपादक 4PM
डॉ. मुकेश कुमार (वरिष्ठ पत्रकार)
अजय शुक्ला, Editor, Daily World
4PM
के.पी. मलिक, वरिष्ठ पत्रकार
अनिल रॉयल, प्रधान संपादक (रॉयल बुले...
4PM

लखनऊ। विधान सभा चुनाव से पहले प्रदेश का सियासी पारा चढ़ता जा रहा है। भाजपा सभी वर्गों को साधने में जुटी है। इसी कड़ी में केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने लखनऊ में निषादों की रैली को संबोधित किया और पिछड़ों को साधने की कोशिश की। सपा भी पिछड़ों में सेंध लगा रही है। सवाल उठता है कि विधान सभा चुनाव की जंग में पिछड़े किसका साथ देंगे? ऐसे कई सवाल उठे वरिष्ठ पत्रकार मुकेश कुमार, केपी मलिक, अनिल रॉयल, अजय शुक्ला और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा के बीच चली लंबी परिचर्चा में।

केपी मलिक ने कहा, पिछड़ी जातियां भाजपा के साथ सहज महसूस नहीं कर रही है। वे उपेक्षा महसूस कर रही है। उत्तर प्रदेश में एक जाति विशेष का वर्चस्व है। इसका नुकसान भाजपा को उठाना पड़ेगा। लिहाजा ये जातियां भाजपा को झटका देंगी।

अनिल रॉयल ने कहा, पिछड़ा समाज में बंटवारा है। यह भाजपा के लिए चिंता का विषय है। अभी तक चुनाव से पहले सब हिंदू होते थे अब निषाद, कुर्मी हो गए हैं। जाति की राजनीति यूपी में प्रमुख रही है। आरक्षण की घोषणा नहीं की गयी। इससे निषाद समाज खुश नहीं है। यह बात रैली में भी दिखायी पड़ी। मुकेश कुमार ने कहा, केवल जातियों का मामला ही नहीं बल्कि उनके आर्थिक-सामाजिक मुद्दे भी हैं। परिस्थितियां बदल चुकी है। ये जातियां भाजपा से असंतुष्ट हैं। जाहिर है भाजपा को इससे बहुत नुकसान होगा। धार्मिक मुद्दा अब काम नहीं करेगा। अब मोदी की छवि भी तार-तार हो चुकी है। लिहाजा इसका फायदा भी इसको नहीं मिलने वाला है। अजय शुक्ला ने कहा, भाजपा केवल विकास और धर्म के ड्रामे में कर रही है। पिछली सरकार पर घोटाले के खूब आरोप लगाए गए लेकिन सीएम हर भ्रष्ट को संरक्षण दे रहे हैं। अब भाजपा को फायदा नहीं मिलने वाला है।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

भाजपा हटाओ, महंगाई भगाओ पद यात्रा पर निकले राहुल और प्रियंका, भाजपा को घेरा

फोटो: सुमित कुमार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी अमेठी के दौरे पर हैं। दोनों ने अमेठी में साढ़े छह किमी लंबी कांग्रेस प्रतिज्ञा पदयात्रा को धार देते हुए कहा भाजपा हटाओ, महंगाई भगाओ। राहुल और प्रियंका भाजपा हटाओ, महंगाई भगाओ पद यात्रा पर कार्यकर्ताओं के साथ क्षेत्रों की ओर निकल चुके हैं। दोनों के साथ हजारों कार्यकर्ता हैं।

अमेठी के जगदीशपुर के रामलीला मैदान से कांग्रेस की प्रतिज्ञा पदयात्रा शुरू हुई है। इस यात्रा का मकसद अमेठी की पांच विधानसभा सीटों पर कांग्रेस को मजबूत प्रदान करना है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा आज अपने पुराने किले अमेठी में हैं। अमेठी में कांग्रेस पार्टी जन जागरण अभियान चला रही है। इस मौके पर राहुल गांधी और प्रियंका गांधी अमेठी में पद यात्रा पर हैं। बता दें कि अमेठी कांग्रेस का गढ़ रहा है। राहुल गांधी यहां से लोकसभा का चुनाव जीतते रहे हैं लेकिन 2019 के लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी अमेठी से चुनाव हार गए थे। वर्ष 2004, 2009 और 2014 के लोकसभा चुनाव में अमेठी से राहुल लगातार चुनाव जीते थे। 1999 में सोनिया गांधी यहां से चुनाव जीती थीं. इस लिहाज इस क्षेत्र में कांग्रेस की पकड़ मजबूत रही है लेकिन 2019 से यहां कांग्रेस का प्रभाव कम हो रहा है। यूपी चुनाव से पहले कांग्रेस नेतृत्व अपने इस गढ़ में फिर पार्टी की पकड़ मजबूत करना चाहता है। राहुल और प्रियंका की यात्रा को इसी नजरिये से देखा जा रहा है। प्रियंका गांधी करीब चार माह से उत्तर प्रदेश में बेहद सक्रिय हैं, अब उनको केरल के वायनाड से सांसद राहुल गांधी का भी साथ मिल रहा है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंघल ने बताया कि देश व प्रदेश में महंगाई काफी बढ़ी है। लाखों की संख्या में युवक रोगजार की आस लगाए हुए है। युवाओं को रोजगार न मिलने से वह अपने को ठगा सा महसूस कर रहे है। भाजपा भगाओ, महंगाई हटाओ प्रतिज्ञा पदयात्रा के समापन के बाद दोनों नेता आमजन को सरकार की नाकामियों के बारे में बताएंगे।

» अमेठी में साढ़े छह किमी लंबी कांग्रेस प्रतिज्ञा पदयात्रा को दी धार

भाजपा भगाओ महंगाई हटाओ
श्याम धोबी

बदलाव का जनसैलाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव 2022 से पहले सभी राजनीतिक पार्टियों ने चुनाव प्रचार में पूरी ताकत झोंक दी है। इस बीच समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव समाजवादी विजय यात्रा को लेकर रायबरेली में दूसरे दिन भी उन्होंने यूपी की बीजेपी सरकार पर हमला बोला। सपा सुप्रीमो ने कहा कि बीजेपी ने जनता को महंगाई व परेशानी के अलावा कुछ नहीं दिया है। नौजवानों के पास रोजगार नहीं है। बीजेपी का हर वादा जुमला निकला। झूठ के फूल में कोई खुशबू नहीं बची है। सरकार ये कहती है कि बिना ऑक्सीजन के कोई जान नहीं गई है। इससे बड़ा झूठ कोई नहीं हो सकता है, जिस तरह से कोरोना में लोगों की जान गई, एक परिवार वाला ही लोगों के दुख समझ सकता है बिना परिवार वाले क्या समझेगें?

बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने मंच पर युवा पहलवान को मारा चांटा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» सोशल मीडिया पर वीडियो हुआ वायरल

लखनऊ। भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष एवं यूपी से भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह मुश्किलों में फंस गए हैं। रांची के खेल गांव स्थित शहीद गणपत राय इंडोर स्टेडियम में चल रहे अंडर-15 नेशनल कुश्ती चैम्पियनशिप के पहले दिन उन्होंने एक पहलवान को थप्पड़ जड़ दिया।

बृजभूषण सिंह इस टूर्नामेंट में बतौर मुख्य अतिथि भाग ले रहे थे। युवा पहलवान को थप्पड़ जड़ने का उनका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। दरअसल, ये प्रतियोगिता अंडर-15 आयु वर्ग के लिए आयोजित किया गया था और जिस युवा पहलवान को थप्पड़ खाना पड़ा, उसकी उम्र ज्यादा थी। युवा पहलवान का संबंध भी यूपी से ही है। जब उम्र वेरिफिकेशन में वो 15 से ज्यादा का निकल गया तो उसे तकनीकी पदाधिकारियों ने डिस क्वालिफाई कर दिया। इसके बाद उस पहलवान ने आव देखा न ताव और अतिथियों के मंच पर यह सोच कर चढ़ गया कि शायद यहां विनती करने से उसका काम बन जाए. हालांकि बहस बढ़ती ही गई। उसी मंच पे भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष भी बैठे थे। उनहोंने अपना आपा खोते हुए पहलवान पर हाथ छोड़ दिया।

उच्च शैक्षणिक संस्थानों में मिलेगा मातृत्व अवकाश: हाईकोर्ट

» किसी भी महिला को मातृत्व सुविधा देने से वंचित नहीं किया जा सकता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा विभिन्न संवैधानिक अदालतों द्वारा तय किए गए कानून के तहत बच्चे को जन्म देना महिला का मौलिक अधिकार है। किसी भी महिला को उसके इस अधिकार और मातृत्व सुविधा देने से वंचित नहीं किया जा सकता।

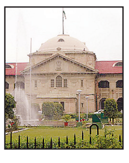

कोर्ट ने एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय लखनऊ द्वारा अंडर ग्रेज्युएट छात्राओं को मातृत्व लाभ देने के लिए नियम बनाने का निर्देश दिया है, जिसमें छात्राओं के बच्चे को जन्म देने के पूर्व व जन्म देने के बाद सहयोग करने व अन्य मातृत्व लाभ शामिल हों तथा छात्राओं को परीक्षा पास करने के लिए अतिरिक्त अवसर व समयावधि बढ़ाने के नियम हों। सौम्या तिवारी की ओर से दाखिल याचिका पर मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति अजय भनोट की एकल खंडपीठ कर रही थी।

गंगा एक्सप्रेस-वे प्रगति के द्वार खोलेगा: मोदी

12 जिलों की 76 विधानसभा सीटों से गुजरेगा हाईवे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शाहजहांपुर पहुंच चुके हैं। मंच पर आने से पहले पीएम गंगा एक्सप्रेस-वे का नक्शा देख रहे हैं। पीएम ने 594 किमी लंबे गंगा एक्सप्रेस-वे की नींव रखी। उन्होंने कहा यह एक्सप्रेसवे प्रगति के द्वार खोलेगा। पीएम को देखकर जनता में भारी उत्साह दिखा। पीएम के साथ सीएम योगी भी मौजूद हैं। मंच पर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, मंत्री जितिन प्रसाद व कपिल मौजूद हैं।

गंगा एक्सप्रेस-वे के सियासी मायने

यह एक्सप्रेस-वे 12 जिलों की 76 विधानसभा सीटों पर असर डालेगा। इन 76 सीटों में से 55 पर भाजपा का कब्जा है। जबकि 9 पर सपा और 4 सीटें बसपा के पास हैं। 3 कांग्रेस और 5 अन्य के पास हैं।

36 हजार करोड़ की लागत से बनने वाला यह एक्सप्रेस-वे पश्चिमी यूपी को पूर्वांचल से जोड़ेंगा। मेरठ से 12 जिलों से होता हुआ प्रयागराज में खत्म होगा। इसके जरिए मेरठ से प्रयागराज तक की जो दूरी 8-9 घंटे में पूरी होती है वह साढ़े 6 घंटे में पूरी हो जाएगी। सभा मैदान में 60 हजार कुर्सियां रखी गई हैं। इसके अलावा, 40 हजार लोगों के खड़े होने की व्यवस्था की गई है। किसान आंदोलन के चलते पश्चिमी यूपी में भाजपा बैकफुट पर है। तीनों कृषि कानून वापस लेकर केंद्र सरकार ने सियासी समीकरण को साधने की कोशिश जरूर की है, लेकिन पश्चिमी यूपी की 136 सीटों में से 60 से ज्यादा सीटों पर असर पड़ेगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वितीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- **SSP/LW/NP-495/2018-2020**
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।